



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमित्राचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरूका	३०-११-२३	२	२-४

रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान करके भर सकते हैं उनमें उमंग : प्रो. बीआर काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्कील को भी सीखना चाहिए ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने रखे।

वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में बोल रहे थे। विशिष्ट अतिथि इंडियन रेडक्रास सोसाइटी हरियाणा के महासचिव डा. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रास सोसाइटी हिसार के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। यह रक्तदान शिविर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रास और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि पूरा विश्व वसुधैव-कुटुम्बकम् की विचारधारा पर

- इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में लगे शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त किया एकत्र

- अच्छा कार्य करने वाले चिकित्सक डा. रिचा और डा. योगेश को सम्मानित



हृषि में कार्यक्रम में मुख्यालिंग प्रो. बीआर काम्बोज छात्रों को सम्मानित करते हुए। • जागरण आश्रित है, जिसका अर्थ है कि यह पूरा संसार हमारे परिवार के समान है जिसके हित के लिए हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, जिसमें हम दूसरों की जिंदगी को बचाकर उनको व उनके परिवारजनों को खुशी प्रदान कर सकते हैं। हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डा. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक मासिक	३०-११.२७	२	३-५

कार्यक्रमः एचएयू में आयोजित शिविर में 180 यूनिट रक्त किया एकत्रित विद्यार्थियों को सीखनी चाहिए प्राथमिक चिकित्सा शैली : प्रो. बीआर काम्बोज

भारतप्रब्लूम् | हिसार

रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्किल को भी सीखना चाहिए ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय के ईंदिया चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दैरान विशिष्ट अतिथि के रूप में ईंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, हिसार के सचिव गविंद लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। रक्तदान शिविर



शिविर में रक्तदान करते प्रेसीसी कैडेट्स।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लाया गया शिविर में 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

इस दैरान मुख्यातिथि ने रक्तदान महादान विषय पर आयोजित पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता में विजेता ही कृषि महाविद्यालय की दो छात्राएं खुशी व आरोहिको और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की एक छात्रा नवियता को सम्मानित किया।

साथ ही रक्तदान मुहिम में बेहतरीन कार्य करने वाले नागरिक अस्पताल, हिसार के चिकित्सक डॉ. योगेश व महाराजा अग्रसेन अस्पताल, अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी सृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

शिविर आयोजन में यथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑफिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह, एनसीसी, एनएसएस वॉलटिर्स ने अहम भूमिका निभाई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पंजाब के सरी

दिनांक
३०-११-२३

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
१-६

‘रक्तदान किसी को नई जिंदगी प्रदान करने के समान’

» शिविर में कुल 180 यूनिट
रक्त किया एकत्रित

हिसार, 29 नवम्बर (ब्यूरो): रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्किल को भी सीखना चाहिए, ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रैडक्रॉस सोसायटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रैडक्रॉस सोसायटी के सचिव रविंद्र लोहान भी



छात्रा को सम्मानित करते मुख्यातिथि प्रो.बी.आर. काम्बोज।

मंच पर मौजूद रहे। यह रक्तदान शिविर विश्वविद्यालय के छात्रकल्यान निदेशालय के अंतर्गत यूथ रैडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया। शिविर में 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

इस मौके पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पूरा विश्व बसुथैव-कुटुम्बकम की विचारधारा पर आश्रित है, जिसका अर्थ है कि यह पूरा संसार हमारे परिवार के समान है, जिसके हित के लिए हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान

है, जिसमें हम दूसरों की जिंदगी को बचाकर उनको व उनके परिवारजनों को खुशी प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने रक्तदान संबंधित भ्रांतियों पर बोलते हुए कहा कि हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इसलिए रक्तदान का मानव स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। हम हर तीन माह में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। इससे हमारा शरीर स्वस्थ व तंदुरुस्त रहता है और नया खुन बनने से हमारे अंदर नए रक्त का संचार होता है।

रक्तदान एक निष्ठार्थ सेवा : मुकेश अग्रवाल

विशिष्ट अतिथि डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान एक निष्ठार्थ सेवा व श्रद्धा है, जिसका कोई अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि 18 से 65 साल आयु वर्ग के लोग हर 3 माह में रक्तदान कर सकते हैं। इस मुहिम में रैडक्रॉस सोसायटी बड़ी भूमिका अदा कर रही है।

विशिष्ट अतिथि ने उपस्थित युवाओं को अधिक से अधिक रक्तदान करने और समाज से जुड़े हित कार्यों में आगे आने के लिए प्रेरित करने वाले वाक्यों में कहा कि जरूरी नहीं है हर वक्त जुबां पर भगवान का नाम हो, वो लम्हा भी भवित भाव का होता है, जहां इंसान-इंसान के काम आता है। 2022-23 में केवल हरियाणा प्रांत के रक्तदाताओं से 3.24 लाख यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जोकि लोगों की सकारात्मक सोच को दर्शाती है। डॉ. अग्रवाल ने हरियाणा सरकार द्वारा समय-समय रक्तदान से संबंधित चलाए जा रहे अभियानों और योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम.
सन्धि काहू	३०-११-२३	५	२-६

रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं: काम्बोज

- रक्तदान शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।
- पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में खुशी व आरोहिका सम्मानित

सच कहूँ/श्याम सुन्दर सरदाना

हिसार। रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित



रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि प्रो.बी.आर. काम्बोज छात्रा को सम्मानित करते हुए।

रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, हिसार के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। यह रक्तदान शिविर विश्वविद्यालय के

छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया।

इस दौरान मुख्यातिथि ने रक्तदान महादान विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेता रही तीन छात्राओं, जिनमें कृषि

रक्तदान एक निःस्वार्थ सेवा: अग्रवाल

विशिष्ट अतिथि डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान एक निःस्वार्थ सेवा व श्रद्धा है, जिसका कोई अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि 18 से 65 साल आयु वर्ग के लोग हर तीन माह में रक्तदान कर सकते हैं। 2022-23 में केवल हरियाणा प्रांत के रक्तदाताओं से 3.24 लाख यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

अस्पताल, हिसार के चिकित्सक डॉ. योगेश व महाराजा अग्रसेन अस्पताल, अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढांगड़ा ने सभी का स्वागत किया, अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

शिविर को सफल बनाने में यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। इस दौरान विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, शोधार्थी सहित विद्यार्थी भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीट समाचार	३०-११-२३	५	३-५

रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर भर सकते हैं ऊर्मे ऊर्मगः प्रो. बी.आर. काम्बोज शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया

हिसार, 29 नवम्बर (विंद्र वर्मा) : रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को ऊर्मग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्कील को भी सीखना चाहिए ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रैडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रैडक्रॉस सोसाइटी, हिसार के सचिव रविंद्र लोहान भी मंच पर मौजूद रहे। यह रक्तदान शिविर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रैडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पूरा विश्व वसुधैव-कुटुम्बकम की विचारधारा पर आश्रित है, जिसका अर्थ है कि यह पूरा संसार हमारे परिवार के समान है जिसके

हित के लिए हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, जिसमें हम दूसरों की जिंदगी को बचाकर उनको व उनके परिवारजनों को खुशी प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने रक्तदान संबंधित भ्रांतियों पर बोलते हुए कहा कि हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार

खुशी व आरोहिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की एक छात्रा नावियता को सम्मानित किया। साथ ही रक्तदान मुहिम में बेहतरीन कार्य करने वाले नागरिक अस्पताल, हिसार के चिकित्सक डॉ. योगेश व महाराजा अग्रसेन अस्पताल, अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

शिविर में रक्तदान करने वाले वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों, कर्मचारियों सहित विद्यार्थियों का मुख्यातिथि ने हालचाल जाना साथ ही बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। शिविर को सफल बनाने में यूथ रैडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। इस दौरान विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, शोधार्थी सहित विद्यार्थी भी मौजूद रहे।



रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन करते मुख्यातिथि।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि - भूमि	३०-११-२३	१२	३-४

कार्यक्रम

रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर भर सकते हैं उनमें उमंग : प्रो. काम्बोज

हरियाणा कृषि विवि के शिविर में 180 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिमूर्ग न्यूज || हिसार

रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन



हिसार।
रक्तदान पर
पोस्टर मेकिंग
की विजेता
एक छात्रा को
सम्मानित
करते विवि
कुलपति
प्रोफेसर
बीआर
काम्बोज।

रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। पोस्टर मेकिंग के

छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाया गया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। पोस्टर मेकिंग में विजेता रही तीन छात्राओं, जिनमें कृषि

खुशी, आरोहिका और नवियता सम्मानित इस दौरान मुख्यातिथि ने रक्तदान महादान विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेता रही तीन छात्राओं, जिनमें कृषि

रक्तदान एक निष्पार्थ सेवा : डॉ. अग्रवाल

विशिष्ट अतिथि डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान एक निष्पार्थ सेवा व श्रद्धा है, जिसका कोई अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि 18 से 65 साल आयु वर्ग के लोग हर तीन माह में रक्तदान कर सकते हैं। इस मुहिम में रेडक्रॉस सोसाइटी बड़ी भूमिका अदा कर रही है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि 2022-23 में केवल हरियाणा प्रांत के रक्तदाताओं से 3.24 लाख यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जोकि लोगों की साकारात्मक सेवा को दर्शाती है।

महाविद्यालय की दो छात्राएं खुशी व आरोहिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की एक छात्रा नवियता को सम्मानित किया। साथ ही रक्तदान मुहिम में बेहतरीन कार्य करने वाले नागरिक अस्पताल हिसार के चिकित्सक डॉ. योगेश व महाराजा अग्रसेन अस्पताल, अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा, इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता, यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूतुला	३०-११-२२	५	३-६

आयोजन

एचएयू में शिविर में 180 लोगों ने किया रक्तदान, पोस्टर मेकिंग में खुशी, आरोहिका और नावियता सम्मानित

दूसरों की जान बचाने के लिए प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण जरूरी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित शिविर में 180 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि रक्तदान महादान है।

रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान मुहिम हर तीन से छह महीने में रक्तदान में हिस्सा लेना चाहिए, उन्हें प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण जरूर लेना चाहिए ताकि समय



रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते मुख्यातिथि प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। श्रोत संस्थान

पर वे दूसरों की जान बचा सकें। इस दौरान उन्होंने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता की

विजेता कृषि महाविद्यालय की छात्रा खुशी व आरोहिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं

प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की छात्रा नावियता को सम्मानित किया। नागरिक अस्पताल के चिकित्सक डॉ. योगेश व महाराजा अग्रसेन अस्पताल अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी स्मृति चित्त देकर सम्मानित किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि 18 से 65 साल आयु वर्ग के सभी लोग हर तीन माह में रक्तदान कर सकते हैं।

इस मौके पा लात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा, इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता, डॉ. चंद्रशेखर डागर, डॉ. भगत सिंह मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुखार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भैषज	३०-११-२३	७	३-५

हकृति के शिविर में 180 ने किया रक्तदान

हिसार, 29 नवंबर (हप्र)

'रक्तदान महादान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नयी जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्किल को भी सीखना चाहिए, ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें।'

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में ईंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, हिसार के सचिव रविंद्र लोहान श्री मंच पर



हिसार में बुधवार को रक्तदान पर पोस्टर मेकिंग की विजेता एक छात्रा को सम्मानित करते हकृति के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज। हप्र

पोस्टर मेकिंग में खुशी, आरोहिका, नावियता सम्मानित

मुख्यातिथि ने रक्तदान महादान विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विजेता रहीं कृषि महाविद्यालय की दो छात्राओं खुशी व आरोहिका और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की छात्रा नावियता को सम्मानित किया। साथ ही रक्तदान मुहिम में बेहतरीन कार्य के लिए नागरिक अस्पताल हिसार के चिकित्सक डॉ. योगेश और महाराजा अग्रसेन अस्पताल, अग्रोहा की चिकित्सक डॉ. रिचा को भी समृद्धि चिन्ह देकर सम्मानित किया।

मौजूद रहे। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से लगाए गये इस शिविर में 180 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल दींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१८८८ भाष्ट८८८	३०-११-२३	७	६-८

गन्ने की फसल के साथ फूलगोभी, बंदगोभी, धनिया व मेथी की फसल ले बढ़ाएं आमदनी

हकूमि ने जारी की शरदकालीन गन्ने की फसल के लिए गाइडलाइन

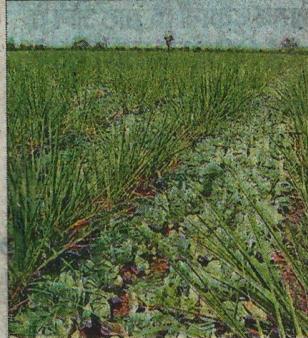
वशिष्ठ सिंह | हिसार

गन्ने की फसल के साथ फूलगोभी, बंदगोभी, धनिया व मेथी की फसल ले बढ़ाएं आमदनी। गन्ने के साथ मेथी, सरसों, लहसुन, चना, मसूर, मटर, आलू, मूली और शलजम की फसलें भी लाजा सकती है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काज्वोज ने बताया कि शरद ऋतु के गन्ने के बेहतर अंकुरण के लिए बिजाई के 5-7 दिन बाद बेड पर अंतरफसलों की बुवाई की जा सकती है। अंतर फसलों की बुवाई के बाद खुद्दों में हल्की सिंचाई करें। यदि सिंचाई के लिए पानी सीमित हो तो वैकल्पिक खुद्दों में सिंचाई करें।

अंतर फसलों लेते समय विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए। जैसे कम अवधि की किस्मों को उगाना, अंतरफसल की सीधी व कम फैलने वाली किस्में, दोनों फसलों की अनुशंसित खुग्रक व चयनात्मक शाकनाशी का प्रयोग करें। अंतरफसलों की

गन्ने की मुख्य फसल के लिए परामर्श



खेत में गन्ने की फसल के साथ लगाई गई गोभी की फसल।



एचएयू में गन्ने की फसल के साथ लगाई गई मेथी की फसल।

- क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया कि गन्ने की मोढ़ी फसल की कटाई जमीन की सतह के साथ करें।
- तराई बेधक कीट की रोकथाम हेतु गन्ने की फसल को गिरने से बचाए व अच्छी प्रकार बंधाई करें, पुरानी पत्तियों को उत्तार दें।
- बीज वाली फसल में 15 से 20 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें और यदि पानी की उपलब्धता कम हो तो हर दूसरे खुड़ में सिंचाई करें।
- लाल सड़न रोग से ग्रस्त खेत का पानी दूसरे खेतों में न जाने दें व लाल सड़न रोग से ग्रसित खेत में मोढ़ी फसल न लें।

कटाई तक इनकी आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें। अधिकांश अंतर फसलों में पेंडीमेथालिन 700-1000 मिली का प्रयोग, दोनों फसलों की बुवाई के तुरंत बाद प्रभावी पाया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पत्रिका ब्रह्म	29.11.2023	--	--

हक्की में रक्तदान शिविर का आयोजन, 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया

रक्तदान कर हम दूसरों को दे सकते हैं नई जिंदगी : प्रो. काम्बोज

मुक्त विद्या

हिंसारा रक्तदान महसूल है। रक्त का बहेद्दु
अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर रक्त दूषितों
को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को
उम्हा से भर सकते हैं। दूषितों को रक्तदान
जैसी मुहिम मुहिम में कब्द-चढ़ाव भाग लेना
चाहिए। उन्हें प्रथमिक चिकित्सा जैसी स्टीलिंग
को भी सीधाना चाहिए ताकि साथ या ये दूषितों
वो जन बच्चे सोनों पर चिकित्सा चाहिए चाहे
मिस्र हीराकुण्ड वृही चिकित्सालय के कलाहिं
पुरी बैठाकर काम्फेज ने कहा। ये
चिकित्सालय के इंदिरा चतुर्वती माधुरुद्धिका
चिकित्सा महाराष्ट्रालय में आयोजित एक
चिकित्सालय रक्तदान चिकित्सा में मुख्यतात्त्विक के रूप
में संबंधित का रहे थे। इस दौरान चिकित्सा
अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सेल्सलाईट
संस्थान के महामन्त्रिय द्वारा प्रोत्साहित
चिकित्सा रेडक्रॉस सेल्सलाईट, हिंसा के संबंधित
रेखा लेकर भी मैच पर खेल दे। यह
चिकित्सा चिकित्सा चिकित्सालय के छात्र
कलाता निदेशकलय के अंतर्गत स्थूर रेडक्रॉस
और रेडक्रॉस में जोगम इवर्ह छात्र संघका
रूप से लाभान्वयन।

प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्वास्थ्य को संरक्षण उड़ाने के समय वही प्लेंग : गुलामी गुलामी पूरी, बड़ी, आर, बाह्योदय में काल कि पृष्ठ विश्व वसुष्टुति-गुलाम्बकाप वही विश्वाराधित पा अहंकार है, जिसका अर्थ है कि यह पूरा संसार इम्फो पांचार के मम्भन है जिसके लिए



के लिए हमें सोचते तत्पर रहना चाहिए। उसने कहा कि रक्तदान महाकृपा है, जिसमें हम दूसरों की जिंदगी बोल बचाते हैं। उनको ये उनके परिवारजनों को युक्ति प्रदान कर सकती है। उसने रक्तदान मनोवैज्ञानिक पूरितये पर अंदरों से हुए कहा कि हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इसलिए रक्तदान का मनव लगातार पर नोई छुट्ट प्रभाव नहीं पढ़ा है। हम हर तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। इससे सबसे शरीर व्यवस्था व संकुलन रहता है और यह एक बार बनने से हमारे अंदर नए रक्त का संचाल होता है। इस दौरान मुख्यतया ने रक्तदान महाकृपा विवरण

अखण्डन फैस्टर में किया गया अखण्डन में जिसका रखी तीन छवियाँ, किनमें कृषि महाविद्यालय की बोंबे छवियाँ थीं व आखेंद्रा और कृषि अभियानकारी एवं पौधार्थी कियावे महाविद्यालय की एक छवियाँ आकियाता थीं सम्मिलित किया। साथ ही राजाकान मुहिम में जैवरसेन कार्य करने वाले नाहाइक अस्पताल, लिंगर के चिकित्सक डॉ. खोगेश व महानजा अप्रसार अस्पताल, अग्रेह की चिकित्सक डॉ. रिच्च वही भी सूची किया देकर सम्मिलित किया।

राजाकान एक निष्पार्थ सेवा : मुकेश अश्रुवाल
लिंगर अतिथि डॉ. मुकेश अश्रुवाल ने जाह्या कि राजाकान एक निष्पार्थ सेवा व प्रदान

है, जिसका कई अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि 18 से 65 वर्ष तक अप्पे बगें के लंबे छातीय माह में रक्तादान कर सकते हैं। इस प्रतिम में डेविल्स सोसायटी बड़ी भूमिका अदा कर रही है। शिविर अधिकारी ने उपर्युक्त पुस्तकों पर अधिक से अधिक रक्तादान करने और सम्बन्ध में जुड़े हित बहायी में आगे आगे के लिए प्रेसिकरण करने वाले व्यक्तियों में कहा कि जल्दी नहीं है जब बक्स जुब्ब पर भागवत् वह नहीं हो, ये लकड़ भी खिला भाव का रक्तादान सूक्ष्म से जुड़ने और उनमें जल रखे गतिविधियों व व्यक्तियों के बड़े सभी जनकालीन सदृश बनी। उन्होंने कहा कि स्वूत स्तर पर जूनियर डेविल्स सोसायटी वह गठन किया गया है, जिसके रक्तादान काले से संबंधित धूतियों वाले दूर करने वह व्याप करते हैं। औं, अप्रूवित ने अनेक महान् पुस्तकों के प्रसारा सुनाकर उपर्युक्त शिविर-गैलरीयों सहित छात्र-छात्राओं को नियन्त्रण भाव से रक्तादान काले के लिए जगालक किया।

इंडियन-इंस्टील के कहा आता है। इनमें केवल स्लीचल ग्रान्ट के से 3.24 लक्ष एक्स्ट्रेंट रक्त का गया, जोकि दोगों की ओरोंवाली दर्शाती है। डॉ. अप्रबल लाल द्वारा समाचार सत्राकाम कल्पित यह रहे अधिकारियों और व्यापारी में विसारणपूर्वक चर्चा की। इन्हें तीसरे पर 2400 ग्रान्टओं को देखा है, जोकि स्लीचल, वैक्सीनी, व शाफ्टन में जलत अधिक से बहुतीयों वाले स्लीचल करने के लिए उन्होंने 40 विस्तृत्यालयों में दू. अनुल रायगढ़ा ने सभी वह स्वाक्षर लिखा, जबकि इंदिरा चतुर्वीती सम्प्रदायिक विद्युत महाविद्युतपर की अधिकारता दू. मनू पेहारा ने इन्वेक्ट धनात्र ग्रान्ट लिखा। लिंगर ने समलैंग जनाने में पूर्ण रेडियोस के पूर्णप्रभ के-अंडाइनेटर दू. चैटोड्युल उगार व छात्रांग सेवा देवेश ना के विवाहित सम्मन्वयक दू. भगत सिंह, एनसीसी, एनएसएस समिति अन्य वैलीटियर्स ने अहम भूमिका लियाई। इस दौरान विश्वविद्यालय व इससे जुड़े सभी महाविद्यालयों के अधिकारता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, शोधवर्ती रसायन विद्यार्थी भी मैनुद हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
संसदी पत्र

दिनांक
29.11.2023

पृष्ठ संख्या
--

कॉलम
--

रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर भर सकते हैं उनमें उमंग : प्रो. काम्बोज

रक्तदान शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया

सिर्वे पत्न्य चूज, हिसार। रक्तदान मत्तूदान है। रक्त का कोई अन्य विकल्प नहीं है। रक्तदान कर हम दूसरों को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन को उमंग से भर सकते हैं। युवाओं को रक्तदान जैसी मुहिम पुष्टि में बड़-बड़कर भाग लेना चाहिए। उन्हें प्राथमिक चिकित्सा जैसी स्क्रीन को भी सीखना चाहिए ताकि समय पर वे दूसरों की जान बचा सकें। वे विचार चौथे चरण मिहि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामूदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्यतया प्रति के रूप में संबोधित कर के थे। इस दौरान विशिष्ट अंतिमि के रूप में इंदिरा चक्रवर्ती सामूदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्यतया प्रति के रूप में संबोधित कर के थे।



रक्तदान शिविर ने दौरान में यूनिट रक्तदान करने वाले विद्यार्थी और विद्यार्थियों को बधाई दी।

मौजूद थे।

कुलपति ने कहा कि रक्तदान मत्तूदान है, जिसमें हम दूसरों की जिंदगी को बचाकर उनको वे उनके परिवारकों को खुशी प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने रक्तदान संबंधित

प्रतियों पर बोलते हुए कहा कि हमारे शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। इसलिए रक्तदान का मानव स्वास्थ्य पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ता है। हम हर तीन माह में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। इससे हमारा शरीर स्वस्थ ब तंदुरुस्त रहता है और नया खून बनने से हमारे अंदर नए रक्त का बनावट होता है। इस दौरान मुख्यतया ने रक्तदान मत्तूदान विषय पर आयोजित पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता

में विजेता रही तीन छात्राओं, जिनमें कृषि महाविद्यालय की दो छात्राएँ खुशी व आरोहिका और कृषि अंग्रेजीत्रिकी एवं पौधोगिकी महाविद्यालय की एक छात्रा नवियता को समाप्ति किया।

विशिष्ट अंतिमि डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान एक नियमार्थ सेवा व श्रद्धा है, जिसका कोई अन्य विकल्प नहीं है। इस मूहम में रेडक्रॉस सोसाइटी बड़ी भूमिका अद्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर पर जीवन रेडक्रॉस सोसाइटी का गठन किया गया है, जोकि रक्तदान करने से संबंधित प्राचीनों को दूर करने का काम करते हैं। डॉ. अग्रवाल ने अपेक्षा महान पुरुषों के प्रत्येक सुनाक्षर उपस्थिति रिक्षक-पैरिशिक्षक, कार्यालयों सहित छात्र-छात्राओं की नियमार्थ भाव से रक्तदान करने के लिए जागरूक किया। शिविर में कुल 180 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

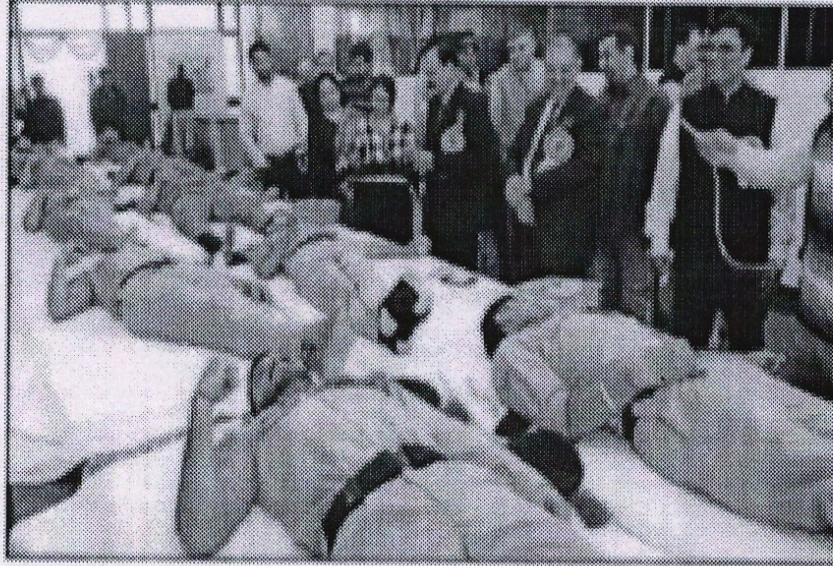
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर्पित दृष्टिभाव	29.11.2023	--	--

हकूमि में रक्तदान शिविर का आयोजन, 180 यूनिट रक्त एकत्रित

प्राचीन हीन्दू धर्म

हिलाया। रसायन महादेव है। रक्त का बोर्ड
अथ विकल्प नहीं है। रसायन कर इस कुमारी
को नई जिंदगी प्रदान कर उनके जीवन में
इम्मंग में भर सकते हैं। कुमारी की रसायन
कीटों मुक्ति मुक्तिमें वह कृष्णकर धारा ले गा
जीवित। उन्हें प्रायोगिक विशिष्टता जैसी स्थिति
जैसी भी मिलना असंभव ताकि समय का वे कुमारी
की जग बदल सकते हैं वे विशिष्ट जैसी जगत्
जैसे हीरापाणी युविं विश्वविद्यालय के कुलपती
प्रे. जीआर वाणीकरन ने कहा है वे विश्वविद्यालय
के हीरा चक्रवर्ती यामुखीय विद्युन
पद्धतिविद्यालय में आर्द्धज्ञान पद विद्युतेन
सायदान विभाग में कुमारीय के समै रै
मंडलीयता जल रहे थे। इस हीरा विद्युत अविद्या
के समैविद्या रहे। योंका अप्रकाश व विद्या
हेतुकीर्ति योग्यता, विद्या के समैविद्या एवं
नोकार भी यह का योग्यता हो। यह रसायन
विद्युत विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण
मिलितवाल के अधिकारी एवं दैदारी और
कर्तृत्व में योग्य कोशला इर्ष्या द्वारा संपूर्ण सम्प्र
ये ल्पणका गया।

प्राचीन लिपियाँ और वाक्यों



प्रौद्योगिकी विद्या की सेवा (प्रौद्योगिकी)

बुद्धिमत्ता वा, वै, अस्ति, कर्मकाल ने जल्दि
पूर्ण विषय व्यापक-मुद्रणकार्य की विचारणा
पर आकृष्ट है, जिसका उत्तर है कि यह पूर्ण
संस्कार हमें विभिन्न के समान है जिसके लिए
के लिए हमें विभिन्न विभाग इन स्थानों पर विभाग
करना विरचित बहुत बड़ा है, जिसमें हम युवा
की जिंदगी को समाज के दृष्टिकोण से उपलब्ध

को लिया की बदल उनके चु
पांचाली को याद प्रस ता नहीं

उनकीने रसायन संरचित प्रतिक्रिया पर जोकि उपकरण कहा कि हाथी राही में एक व्यवसी ने प्रैग्नेंट लगावान चमड़ी कर्गी है। इसलिए रसायन व्यवस्था स्थापित करना चाहिए जो व्यवसी नहीं पढ़ता है। हम हार लेने वाले में एक व्यावरण संरक्षक हैं। इसमें हाथाना शामिल स्थापित रसायन युक्त रसायन लगता है और वह एक व्यवसी से इन्हीं अद्वितीय रसायन कर सकता है। इस दोनों

आलोचना पैकेट यौवां प्रूफपैकेट में शिक्षण
से नीन लाभाती है। जिसमें कुछ व्याख्यातामय
कोड के साथाएँ दिये गए आलोचना और कुछ
अधिकारीकृत एवं प्रूफपैकेटों व्याख्यातामय की
एक लाज लाभित बोलायी गई है। यहां
कोड साथाएँ कुछमें देखायें चाहते रहते
बाहिक अभ्यासात्, जिसके लियेवास्तवक हैं,
कोडों द्वारा व्याख्यात अधिकारी अभ्यासात्, अधिकारी
की लियेवास्तवक हैं, जिनको भी उचित लिय

सरकार संसद का विचार।
सरकार का एक नियमार्थी सेवा : मुकेश अग्रवाल
विंसेट अंतिम रूप, मुकेश अग्रवाल ने
वापस कि सरकार एक नियमार्थी सेवा का बोला
है, जिसका लौट अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने
वहाँ कि 18 में 65 साल अमृत की के लोग
उन वर्षों में सरकार वह साबो है। इस
मुकेश ने विंसेट सेवार्थी कहा भवित्व अदा
कर रहे हैं। विंसेट अंतिम ने उपर्युक्त

पुरावै को अधिक मेर अधिक रसायन बनाने और समझ मे दूसरे जीव वाली में आगे आने के लिए प्रौद्योगिक बनाने वाली वाकाओं मे कहा कि जानी चाही है इस जीव कुछ या अस्थाय का काम है, जो सभा वी पर्सन धूम का देता है, जब इंडियन-इंडियन के बाहर आता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठ ५ पंक्ति	28-11-2023	--	--

हकूमि में रक्तदान शिविर कल, पोस्टर मेकिंग के जरिए विद्यार्थी करेंगे रक्तदान करने के लिए प्रेरित

रक्तदान शिविर इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में सुबह 9 बजे आरंभ होगा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 28 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 29 नवंबर को एक दिवसीय रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि के रूप में रक्तदान शिविर का उद्घाटन करेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल मौजूद रहेंगे। इस रक्तदान शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अनुल ढींगड़ा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि रक्तदान शिविर इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में सुबह 9 बजे आरंभ होगा, जिसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इससे जुड़े महाविद्यालयों के विद्यार्थी, शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी हिस्सा लेंगे और स्वेच्छा से रक्तदान करेंगे। यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व



राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह ने बताया कि रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदान महादान विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय व इससे जुड़े महाविद्यालयों और कैपस स्कूल के विद्यार्थी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थियों को मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं विभागों व अनुभागों के अध्यक्षों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षकों, गैरशिक्षकों सहित विद्यार्थियों को इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर योगदान देने के लिए आहवान किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पात्र बजे	29.11.2023	--	--

हकृति में रक्तदान शिविर कल, पोस्टर मेकिंग के जरिए विद्यार्थी करेंगे रक्तदान करने के लिए प्रेरित

पांच बजे ब्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 29 नवंबर को एक दिवसीय रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि के रूप में रक्तदान शिविर का उद्घाटन करेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल मौजूद रहेंगे। इस रक्तदान शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत यूथ रेडक्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि रक्तदान शिविर इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में सुबह 9 बजे आरंभ होगा, जिसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इससे जुड़े

महाविद्यालयों के विद्यार्थी, शिक्षक व गैरशिक्षक कर्मचारी हिस्सा लेंगे और स्वेच्छा से रक्तदान करेंगे।

यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह ने बताया कि रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदान महादान विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय व इससे जुड़े महाविद्यालयों और कैपस स्कूल के विद्यार्थी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थियों को मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, निदेशकों एवं विभागों व अनुभागों के अध्यक्षों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षकों, गैरशिक्षकों सहित विद्यार्थियों को इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर योगदान देने के लिए आहवान किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुचार पत्र का नाम
दैनिक भास्तुर

दिनांक
३०-११-२३

पृष्ठ संख्या
२

कॉलम
२४

सार्थक प्रयास • 1 करोड़ 51 लाख में प्लांट हुआ तैयार, जापान, कोरिया, स्पेन में 80% सब्जियों की पौध ग्राफिटिंग से तैयार हो रहीं, भारत में सिर्फ 5% प्रदेश का सबसे बड़ा ग्राफिटिंग सेंटर तैयार, अब बंद पॉली हाउस में लगेंगी सब्जियां

धर्मदेवजा | हिसार

हिसार के चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश का सबसे बड़ा सब्जियों का ग्राफिटिंग सेंटर एक करोड़ 51 लाख रुपए में बन कर तैयार हो गया है। यहां ग्राफिटिंग तकनीक से सब्जियों में नए-नए प्रयोग किए जाएंगे। इसका उद्घाटन नए साल में होने की संभावना है। जापान, कोरिया, स्पेन जैसे देशों में 1920 से ही 80 प्रतिशत सब्जियों का उत्पादन ग्राफिटिंग पौध से हो रहा है। भारत में अभी यह 5 प्रतिशत भी नहीं है।

इस सेंटर का उद्देश्य ग्राफिटिंग तकनीक से सब्जियों की जड़ों को बदलकर उन्हें किसी भी प्रकार के रोगों व खराब मौसम से बचाना और बिना रसायनों के आर्गेनिक उत्पादन बढ़ाना है। निजी क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में ग्राफिटिंग का काम पहले से

किया जा रहा है, लेकिन सरकारी स्तर पर इस तरह का डेविलपमेंट ग्राफिटिंग सेंटर पहली बार बन रहा है। इसपर कई फायदे होंगे जैसे पॉली हाउस में लगातार एक जैसी सब्जियां खासकर खीरा, टमाटर, शिमला मिर्च उगाने से तीन-चार साल बाद मिट्टी में नेमाटोड का प्रक्रोप बढ़ जाता है। इस कारण सैकड़ों पॉली हाउस बेकार पड़े हैं। एचएयू ने 5 साल में 817 पॉली हाउस में किए सर्वे में 420 में रोग पाया गया। यानी 51% पॉली हाउस को बीमारी से चलते बंद करना पड़ा। ग्राफिटिंग के जरिए सब्जियों की पौध को ऐसी जंगली प्रजाति की जड़ों से तैयार किया जाएगा जिन पर नेमाटोड का असर ही नहीं होता। ऐसे में इन पौध से किसान पॉली हाउस में फिर से उत्पादन ले सकेंगे।

-प्रो. बी.आर. काम्बोज, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार।



इस यूनिट के निर्माण से ग्राफिटिंग तकनीक पर चल रहे शोध को गति मिलेगी। सब्जियों के उत्पादन में नए आयाम स्थापित होंगे। समस्या के अनुरूप चयनित रूट स्टॉक पर ग्राफिटिंग कर किसानों के लिए पौध तैयार की जाएगी। किसानों को भी ग्राफिटिंग की ट्रेनिंग दी जाएगी। बेरोजगार युवा इसे सीखकर व्यवसाय के रूप में भी अपना सकते हैं।

खारे पानी में भी होगा उत्पादन

ग्राफिटिंग से किसान बेमैसम किसी भी सब्जियों का उत्पादन कर सकेंगे। विल्ट प्यूसीरियम रोग के कारण पौधों की पत्तियां मुरझाने लगती हैं। इस कारण हिसार में पिछले 10 सालों से टिंडा की फसल न के बराबर हो रही है। इस तकनीक से किसान टिंडा, तरबूज, खरबूजा पूरे साल उत्पादित कर सकेंगे। जहां खारे पानी है, वहां किसान पालक के अलावा अन्य सब्जी नहीं ले पाते। जड़ों की ग्राफिटिंग से कई भी सब्जी उगा सकेंगी।

व्या है ग्राफिटिंग तकनीक

तकनीक में दो अलग-अलग पौधों को उनके गुणों के आधार पर जोड़कर एक पौधा तैयार किया जाता है। पौधे के तनों में ऐसे प्रजाति की जड़ें जोड़ दी जाती है, जिन पर बीमारियों का असर नहीं होता है। जैसे टमाटर में बैन की जड़ें ग्राफट की जाती हैं। इससे जड़ तो बैन की होती है लेकिन ऊपरी हिस्सा टमाटर का रहता है।

ग्राफिटिंग से किसानों को लाभ होगा, उत्पादन भी बढ़ेगा

- रसायन के कम उपयोग से लागत घटेगी।
- फसल चक्र बदलने में सहायक होंगे, जड़ गलन वाली बीमारियों से रहता।
- उत्पादन भी 10 से 12% तक बढ़ेगा।

सब्जियों में न्यूट्रिशन लेवल बढ़ेगा व टेस्ट भी बदलेगा

- आर्गेनिक होने से सब्जियों में न्यूट्रिशन लेवल बढ़ेगा और टेस्ट में भी फर्क रहेगा।
- अर्बन और किचन गार्डन में भी ग्राफिटिंग कामयाब। घर में भी सब्जी उगा सकते हैं।
- ग्राफिटिंग के जरिए एक ही पौधे पर दो दो सब्जी ले सकेंगे।